देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 173 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 10 अक्टूबर 2021

विचार-प्रवाह...
बेतुका दावा

मौसम | अधिकतम 27.0° | न्यूनतम 24.0° | 40243.39

2 गद्दार था पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी

7 हार्दिक की बोलिंग को लेकर सेलेक्टर्स चिंतित

नीति आयोग उत्तराखण्ड के विकास में भागीदार

राज्य सरकार की हर संभव सहायता के लिए नीति आयोग तत्पर

संवाददाता

देहरादून। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डा. राजीव कुमार ने कहा है कि नीति आयोग उत्तराखण्ड के विकास में पार्टनर की भूमिका निभा रहा है। नीति आयोग, उत्तराखण्ड के विकास में अधिक से अधिक मददगार बनने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने जीएसटी कम्पनसेशन को वर्ष 2022 के बाद भी जारी रखने में सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय योजनाओं के मानकों में फ्लोटिंग पापुलेशन भी शामिल किया जाए।

सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में नीति आयोग के उपाध्यक्ष डा. राजीव कुमार, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकारों और राज्य सरकार के अधिकारियों की बैठक में उत्तराखण्ड के

जमीनी स्तर पर प्रक्रियागत सरलीकरण

नीति आयोग उपाध्यक्ष ने जमीनी स्तर पर प्रक्रियागत सरलीकरण की आवश्यकता बताई। निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों में जो मंजूरियां लेनी होती हैं, उनका सरलीकरण करने के साथ ही जहां तक संभव हो कम किया जाए।

सुनियोजित विकास पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। नीति आयोग के उपाध्यक्ष डा. राजीव कुमार ने कहा कि नीति आयोग उत्तराखण्ड के विकास में भागीदार की भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार की विकास से संबंधित हर संभव सहायता की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों पर राज्य सरकार के पक्ष

जिलों में विकास की प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया जाए

डा. राजीव कुमार ने कहा कि राज्य के विकास के लिए सेक्टरवार प्लान व समग्र प्लान बनाया जाए। उत्तराखण्ड में जिलावार एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) निर्धारित करने को अच्छा कदम बताते हुए कहा कि जिलों में विकास की प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। महत्वपूर्ण संकेतकों पर विशेष ध्यान दिया जाए। इनकी लगातार मॉनिटरिंग जरूरी है।

पर नीति आयोग केंद्र सरकार के मंत्रालयों से बात करेगा। राज्य सरकार के संबंधित अधिकारी भी निरंतर फॉलो अप करें।

पर्यटन में अधिक से अधिक स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जाए। किस तरह से अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को इससे जोड़ा जा सकता है, इसके लिए सुनियोजित योजना की जरूरत है। कृषि में हाई वेल्यु उपजों जैसे कि औषधीय खेती, मसाले, फूलों की खेती पर बल देना होगा। डा. राजीव कुमार ने इनलैंड कन्टेनर डिपो की स्थापना के लिए निजी क्षेत्र का सहयोग लेने का सुझाव दिया।

फारेस्ट क्लीयरेंस के सरलीकरण के लिए केन्द्र से बात करेगा नीति आयोगः डा राजीव कुमार ने बैठक में दिये गये राज्य के प्रस्तुतीकरण को ध्यान से सुनते हुए कहा कि फोरेस्ट क्लीयरेंस की प्रक्रिया को सरल किये जाने की जरूरत है। इस संबंध में राज्य सरकार के जो भी सुझाव हैं, नीति आयोग को भेजे। इस संबंध में केन्द्र से बात की जाएगी। उन्होंने नेशनल पार्कों में हाथियों और टाईगर की संख्या में बढोतरी को देखते हुए इनकी केरिंग केपेसिटी का आंकलन किए जाने पर सहमति व्यक्त की।

नेचुरल फार्मिंग पर फोकस किया जाए

आर्गेनिक फार्मिंग के साथ ही नेचुरल फार्मिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। इससे किसानों की आय को दोगुनी करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने प्रत्येक ब्लॉक में एक गांव के प्राकृतिक कृषि के लिए समर्पित करने का सुझाव दिया। डा. राजीव कुमार ने कहा कि उत्तराखण्ड में स्कूली शिक्षा की बेहतर स्थिति है। परंतु उच्च शिक्षा के लिए बेहतर शिक्षण संस्थाएं कम हैं। छात्रों को बेहतर उच्च शिक्षा राज्य में ही प्राप्त हो सके। इस ओर भी ध्यान दिया जाए। नदियों के पुनर्जीवन पर भी काफी काम किया जा सकता है। इसमें नीति आयोग नमामि गंगे से राज्य को सहायता को दिलवाने के लिए प्रयास करेगा।

संक्षिप्त समाचार

16 को बुलाई गई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सीडब्ल्यूसी की बैठक आगामी 16 अक्टूबर को बुलाई गई है। इसमें संगठनात्मक चुनावों, आगामी विधानसभा चुनावों और मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी। पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। कांग्रेस के 'जी 23' समूह के नेताओं की ओर से पार्टी के भीतर संवाद की मांग किए जाने और हाल के महीनों में कई नेताओं के पार्टी छोड़ने की पृष्ठभूमि में यह बैठक बुलाई गई है।

देश में आए कोरोना के 20 हजार से कम मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मामलों में कमी आ रही है। देश में धीरे-धीरे कोरोना की दूसरी लहर धीमी होती जा रही है। देशभर में आज कोरोना के 20 हजार से कम मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना के एक्टिव केस 206 दिनों में सबसे कम हो गए हैं।

चीनी सैनिकों की गतिविधि पर भारत की पैनी नजर

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच सीमा तनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने बड़ा बयान दिया है। जनरल नरवणे ने कहा है कि चीनी सैनिकों की हर गतिविधियों पर भारतीय सेना की पैनी नजर है। उन्होंने साथ ही कहा कि चीन को उसकी सैन्य कार्रवाई के आधार पर ही जवाब दिया जाएगा। सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सैनिकों की तरफ से किए जा रहे आधारभूत ढांचे के निर्माण को लेकर चिंता जताई। सेना प्रमुख ने कहा कि यदि वे एलएसी पर टिकेंगे तो हम भी वहां डटे रहने के लिए तैयार हैं।

नरवणे ने शनिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीन द्वारा सैन्य निर्माण और बड़े पैमाने पर तैनाती को बनाए रखने के लिए नए

सैन्य कमांडरों के बीच रविवार को होगी 13वें दौर की वार्ता

पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच सैन्य तनातनी को खत्म करने के लिए रविवार को दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच 13वें दौर की वार्ता होगी। यह वार्ता सुबह 10.30 बजे से मोल्डो में होगी, जो चीन के नियंत्रण में है। इस दौरान हाट स्प्रिंग्स को लेकर गतिरोध दूर करने को लेकर बातचीत होगी। सैन्य सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि एलएसी पर दोनों देशों के बीच पिछले डेढ़ साल से गतिरोध जारी है।

बुनियादी ढांचे का विकास चिंता का विषय है और भारत चीनी पीएलए सैनिकों की सभी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहा है।

सेना प्रमुख ने कहा कि वहां बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य हो रहा है। वहां चीन की तरफ से आधारभूत ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। इसका मतलब है कि वो लोग वहां टिकेंगे। यदि वो लोग वहां टिकेंगे तो हम भी वहां डटे रहेंगे। चीन की तरफ से हाल ही में एलएसी पर लद्दाख में भारत के साथ हुए टकराव से जुड़े सवाल के जवाब में सेना प्रमुख ने कहा कि उत्तरी सीमा पर क्या-क्या हुआ है इस बारे में विदेश मंत्रालय ने सबकुछ साफ कर दिया है। चीन के साथ टकराव की प्रमुख वजह चीन की तरफ से बड़े पैमाने पर किया जा रहा निर्माण कार्य रहा और पूर्व में निर्धारित प्रोटोकाल का पालन न करना रहा।

पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ कई क्षेत्रों में भारत और चीनी सेनाओं के बीच लगभग 17 महीनों से गतिरोध हैं, दोनों पक्ष इस साल कई बार बातचीत कर चुके हैं।

भारत-डेनमार्क स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में बढ़ाएंगे सहयोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन की अगवानी की, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। अब दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई है।

फ्रेडरिक्सन नौ से 11 अक्टूबर तक तीन दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंची हैं। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर फ्रेडरिक्सन का स्वागत किया, जो भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर हैं। पीएम मोदी और डेनमार्क की पीएम मेट फ्रेडरिक्सन के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद एग्रीमेंट का आदान-प्रदान हुआ। वहीं, इस दौरान दोनों नेताओं ने अपना संबोधन भी दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, आज की हमारी मुलाकात भले ही पहली रूबरू मुलाकात थी लेकिन कोरोना कालखंड में भी भारत और डेनमार्क के बीच संपर्क और सहयोग की गति बरकरार रही थी। पीएम मोदी ने बताया कि आज से एक साल

निर्णय

■पीएम मोदी की डेनमार्क की पीएम के साथ वार्ता में निर्णय

पहले हमने अपने वर्चुअल समिट में भारत और डेनमार्क के बीच ग्रीन स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप स्थापित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। यह हम दोनों देशों की दूरगामी सोच और पर्यावरण के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

वहीं, पीएम फ्रेडरिक्सन ने कहा, आज हम पानी और ग्रीन ईंधन पर काम करने के लिए सहमत हुए हैं। हम स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों पर भी साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। हमारा हरित सहयोग बहुत महत्वाकांक्षी है। उन्होंने आगे कहा कि हम दो लोकतांत्रिक देश हैं जो नियमों पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में विश्वास करते हैं। भारत और डेनमार्क के बीच सहयोग इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे ग्रीन ग्रोथ और ग्रीन ट्रांजिशन साथ-साथ चल सकते हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

जल्द अरेस्ट हो सकते हैं आशीष मिश्रा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर हिंसा मामले में मुख्य आरोपी बनाए गए बीजेपी नेता आशीष मिश्रा से पुलिस लगातार 6 घंटे से पूछताछ कर रही है। किसी भी वक्त उनको गिरफ्तार किया जा सकता है।

आशीष मिश्रा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा के बेटे हैं। सूत्रों के हवाले से खबर आ

लखीमपुर पुलिस 6 घंटे से आशीष मिश्रा से कर रही पूछताछ

रही है कि आशीष 3 अक्टूबर को दिन में 2:36 से 3:30 बजे तक कहां थे, इसका वह जवाब नहीं दे पाए हैं। आशीष मिश्रा डेडलाइन से 22 मिनट पहले 10 बजकर 38 मिनट पर ही क्राइम ब्रांच के दफ्तर पहुंच गए थे। उनसे पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच ने करीब 32 सवालों की लिस्ट तैयार की है। पूछताछ की वीडियोग्राफी भी की जा रही है।

आशीष मिश्रा के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 148, 149 (दंगों से संबंधित), 279 (लापरवाही से गाड़ी चलाना), 338 (किसी शख्स को चोट पहुंचाना जिससे उसकी जान को खतरा हो), 304-ए (लापरवाही से मौत), 302 (हत्या) और 120 बी (आपराधिक साजिश रचना) के तहत केस दर्ज हुआ है।